श्री कैलाश पति मिश्र : सभापति जी, मंत्री जी ने स्वीकार किया है कि वर्षों से नहीं शताब्दियों से यह हमारी अमूल्य धरोहर लगातार बाहर जा रही है। यह इतनी मूल्यवान धरोहर है कि दुनिया के अनेक देशों में फैल गयी है। पता लगने के बाद भी यही अनुभव हो रहा है कि भारत सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया जो हमारी अमूल्य धरोहर है वह वापस आ सके। मूल पांडुलिपि नहीं आती है तो उसकी प्रतिलिपि ही आये। जहां-जहां दुनिया में संस्कृत के लिए काम हो रहा है। उनसे समन्वय सम्पर्क करके हमारा आधार मजबूत होना चाहिए। मैं भारत सरकार से पूछना चहता हूं कि क्या मानव संसाधन विकास विभाग के अंदर कोई ऐसी बाडी आप बनाने जा रहे हैं जो लगातार इसके ऊपर काम करती रहे मूल प्रति वापस लाने की कोशिश करे। मूल प्रति न मिले तो उसकी प्रति लाने की कोशिश करें। भारतीय पांडुलिपि पर जहां कहीं काम हुआ है, अनुवाद हुआ है उससे सम्पर्क प्राप्त करें और यह तभी सम्भव होगा जब लगातार इसके ऊपर काम हो।

इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने इस काम के लिए एक बाडी बनाई जाये। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या भारत सरकार इसके लिए तैयार है ?

श्री पी० वी० नरसिंह राव : श्रीमन्, इसके लिए अवश्य हम कुछ सोच-विचार करेंगे। मैंने खुद ही ब्रिटिश म्यूजियम और उनकी लायब्रेरी में जाने के लिए एक योजना बनाई थी, लेकिन उस दिन किसी कारणवश मैं नहीं जा पाया। मैं इसी उद्देश्य के लिए वहां जाने वाला था। पिछले दो महीनों के अन्दर जब मैं वहां गया था तो इस बारे में उनसे सम्पर्क रखा हुआ था – ब्रिटिश म्यूजियम लन्दन की हद तक हमने सम्पर्क रखा हुआ है। आपका यह बहुत अच्छा सुझाव है। हम एक छोटा सा सेल बनाकर उनके हवाले कर दें कि वे इस तरह के सम्पर्क को बनाये रखें और जो ऐसी पाण्डुलिपियां है, जो केवल दूसरे देशों में है और उनकी कापी वगैरह हमारे पास नहीं हैं और केवल पाण्डुलिपि की प्रति ही नहीं, बल्कि इस बारे में खोज करके उनकी कापी किसी तरह से लेने की, हमारे पास उपलब्ध कराने की कोशिश की जाय। इस सुझाव पर हम अवश्य विचार करेंगे।

Bonus Ex-Gratia Payment to Railway Employees

*122. SHRI ASHOK NATH VERMA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have recently entered into an agreement with railway employees on the bonus and ex-gratia payment;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) whether it is a fact that limit of bonus has been increased?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MAHABIR PRASAD): (a) Yes, Sir.

(b) (i)' Productivity for the year is calculated as the ratio of equated net tonne kilometres to the total number of staff. Productivity Linked Bonus payable is calculated proportionately on the basis of the productivity of the year in reference to base year productivity which is equal to 35 days wages.

(ii) No PLB is payable if the productivity falls below 90 per cent *ol* base year.

(iii)' The agreement is valid for payment of PLB on the performance of the three financial years 1986-87, 1987-88 and 1988-89.

(c) No, Sir. However, ex-gratia amount, equal to productivity linked bonus, will be admissible to employees, whose wages exceed Rs. 250C but do not exceed Rs. 3500 per month

SHRI ASHOK NATH VERMA: It has been stated by the hon. Minister that no Pl B is payable if the productivity fall.'

below 90 per cent of base year. What is the amount of bonus which is paid in cases where productivity falls below 90 per cent of base year?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MADHAVRAO SCINDIA); The answer is very clear that no PLB is payabie it productivity falls below 90 per cent of base year. This is a complete answer that no productivity-linked bonus is payable in such cases.

SHRI ASHOK NATH VERMA: Sir, porductivity-linked bonus is calculated proportionately on the basis of the productivity. If the productivity falls, I want to know whether the amount equal to 35 days wages will be computed for payment as ex. gratia.

SHRI MADHAVRAO SCINDIA; No, Sir. .....

श्रीमती शान्ति पहाड़िया : श्रीमान मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहती हूं कि नये वर्ष में रेलवे कर्मचारियों को कितना बोनस दिया गया और कितना दिया जाएगा ? इसके साथ ही मैं यह भी जानना चाहती हूं कि रेलवे में जो क्लास–4 के कच्चे कर्मचारी है उनको कब पक्का किया जाएगा ? रेलवे में बहुत से ऐसे कर्मचारी हैं जिन बेचारों को कुछ नहीं मिलता है क्योंकि वें कच्ची नौकरी पर होते हैं उनको काम करते हुए 15–15साल हो गये हैं ।

श्री माधवराव सिंधिया : श्रीमान्, मैं सन् 1986–87 के बारे में बता सकता हूं कि रेलवे कर्मचारियों को 42 दिन का बोनस दिया गया है । पी०एल०बी० की जो स्कीम है उसके अनुसार जो कर्मचारी पात्र है उन सब रेलवे इम्लाइज को यह बोनस दिया गया है, रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स और रेलवे स्पेशल फोर्स को छोड़ कर and casual labour with temporary status, and substitutes with not less than 120 days' continuous service and casual labour on daily wages and project works completed-180 days continous service.

श्री चतुरानन मिश्र : सभापति महोदय, सुप्रीम कोर्ट ने बोनस को डेफर्ड वेजेज माना है और इसके मुताबिक हमारे बहुत से पब्लिक सेक्टर अंडर-टेकिंग्स में बिना मुनाफा या बिना काम के प्रोडक्टिविटी से संबंधित बोनस दिया जा रहा है। लेकिन क्या कारण है कि रेलवे में ही यह डिसक्रिमिनेशन है यह मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा ? इसी संबंध में क्वेश्चन का जो सी रिप्लाई है उसमें यह जो एक्स ग्रेशिया अमाउन्ट है यह सिर्फ रेलवे के अंदर रहेगा या सरकार के दूसरे विभागों के अंदर भी यही बात है ? इसमें भेदभाव दिखाया गया है इसलिए मैं चाहता हूं कि मंत्री महोदय इसका स्पष्टीकरण करें ?

श्री माधवराव सिंधिया : इसमें कोई डिसक्रिमिनेशन नहीं है। जो अग्रीमेंट हम लोगों का हुआ है, दोनों यूनियनों के पूरे सहयोग और उनके साथ सलाह-मशविरा करने के बाद हुआ है और इस संबंध में उनका पूर्ण सहयोग हमें मिल रहा है। रेलवे की जो उत्पादकता बढ़ी है वह यही विदित करता है और. . . .

श्री चतुरानन मिश्र : डिसक्रिमिनेशन उनके साथ हैं ?

श्री माधवराव सिंधिया : एक्स-ग्रेशिया का जो सवाल है, मैं अपने मंत्रालय के बारे में जवाब दे सकता हूं कि वह हम लोगों के लिए सरकार ने स्वीकार किया है।

कुमारी सईदा खातून : सभापति महोदय, व माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हू कि : बोनस और अनुग्रह राशि के लिए जो पुलिस कर्मचारी रेलवे पुलिस में डेपूटेशन पर आते हैं, जो कि रेलवे का एक भाग कहलाते हैं उनको भी शामिल किया गया है या नहीं किया गया है ?

श्री माधवराव सिंधिया : मैंने कहा है कि अभी आर० पी० एफ० और आर० पी० एस० एफ० को सम्मिलित नहीं किया गया है। इसके बारे में मैं पूर्ण जानकारी ले लूंगा। लेकिन इसमें जी० आर० पी० मेरे ख्याल से सम्मिलित नहीं है क्योंकि हमारी पुलिस भी सम्मिलित नहीं है, लेकिन इसके बारे में जानकारी माननीय सदस्या को दे दूंगा।

SHRI SUKOMAL SEN; Sir, the hon. Minister has said that last year 42 days' wages were paid as bonus to the railway employees. In his Budget Speech, he said that the volume of work has increased tremendously during last year and he also complimented the railway-men *on* the better performance shown. In view of the increase in work and the better performance of the railway-men, I would like to know from the hon. Minister whether he is considering the question of increasing the number of days in regard *to* payment of bonus to more than 42 this year.

SHRI MADHAVRAO SCINDIA: Sir, PLB well be calculated according to the agreement which has been arrived at. I think, the hon. Member must quite familiar with the details of the agreement. If not, I can enumerate them...

SHRI SUKOMAL SEN What is the contemplation for the nxet year?

SHRI MADHAVRAO SCINDIA: It will depend on the productivity calculated and arrived at according to the formula.

PROF. B. RAMACHANDRA RAO: Mr. Chairman, Sir, I would like to know whether the number of days in regard to bonous payment has increased continuously from 35 days in the base year to 42 days or it is fluctuateing any on the basis of this trend whether it is going to increase in future years. The second part of my question is, bouns is payable to employees drawing wages above Rs. 2,500. In view of the change in the cost of living; I would like to know whether there is any possibility, whether i is being contemplated by the Government to reduce it to below Rs. 2,500 so that the under privilged classes will also be benefited by this.

SHRI MADHAVRAO SCINDIA: Sir, the position is the reverse of what has been stated by the hon. Member. Bonus is payable, PLB is payable, to all employees drawing wages up to Rs. 2,500 and in the Railways, *ex-gratia* is payable to all those employees drawing wages between Rs. 2,500 and Rs. 3,500.

As far as the number of days is concerned, it has gone up from 32 in 1983-84 to 33 in the next year and then on to 40 in the subsequent year. This year a new formula for PLB has been introduced and it comes to 42 days.

123. *[The questioner (Shri Rasheed Masood) was absent For answer,* vide *col.* 30 infra].

124. *[The questioner (Shrimati Veena Verma) was absent. For answer,* vide *col.* 31 infra].

Alrilnkiitg of Tuticorin

125. SHRI T. R. BALU:

SHRI V. GOPALSAMY:t

Will the Minister of CIVIL AVIA-TION be pleased to state;

(a) whether any steps have been taken to airlink Tuticorin with the rest of country; and

(b) what steps have been taken to improve Vagaikulam airport?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE AND THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI MOTI LAL VORA): (a) and (b) A proposal for construction of an airport at Vagaikulam (Tuticorin) has been initiated by the Government of Tamil Nadu in consultation with the

† The question was actually asked on the floor of the House by Shri V. Gopalsamy.